HD-05

June - Examination 2026
B.A. (Part-III) Examination
HINDI LITERATURE
आधुनिक काव्य
Paper : HD-05

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

   (i) आचार्य शुक्ल के अनुसार आधुनिक काव्य का आरंभ कब हुआ?

   (ii) हिन्दी की दो लंबी कविताओं के नाम लिखिए।

   (iii) 'परिवर्तन' कविता का मूल संदेश क्या है?

   (iv) 'कुआनो नदी' के रचनाकार का नाम लिखिए।

   (v) 'ब्रह्मराक्षस' कविता के शीर्षक का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

   (vi) 'प्रवाद पर्व' खंडकाव्य रामकथा के किस प्रसंग पर आधारित है?

   (vii) 'प्रवाद पर्व' खंडकाव्य के प्रथम सर्ग का नाम लिखिए।

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. आधुनिक काव्य की विषय वस्तु पर एक आलेख लिखिए।
3. लंबी कविता और खंडकाव्य के स्वरूप में अंतर स्पष्ट कीजिए।
4. 'दुःख ही जीवन की कथा रही' कथन के आलोक में सरोज स्मृति के आधार पर निराला के जीवन–संघर्ष को चित्रित कीजिए।
5. 'ब्रह्मराक्षस' कविता में चित्रित बुद्धिजीवी वर्ग का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन कीजिए।

6. 'प्रवाद पर्व' के आधार पर जनमत, सत्ता, न्याय एवं लोकतान्त्रिक चेतना पर अपना मत प्रस्तुत कीजिए।

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

तुम नृशंस से जगती पर चढ़ अनियंत्रित,
करते हो संसृति को उत्पीड़न, पद–मर्दित,
नग्न नगर कर, भग्न भवन, प्रतिमाएं खंडित
हर लेते हों विभव, कला, कौशल चिर संचित!
आधि, व्याधि, बहुवृष्टि, वात, उत्पात, अमंगल
वह्नि, बाढ़, भूकम्प––तुम्हारे विपुल सैन्य दल;
अहे निरंकुश! पदाघात से जिनके विह्वल
हिल–इल उठता है टलमल
पद दलित धरातल!

8. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

यह नदी मुर्दघाट के लिए मशहूर है।
कुआनो जाने का मतलब
किसी को फूँकने जाना है।
मेरे पिता को हर शव–यात्रा में जाने का शौक़ था।
अक्सर वह आधी–आधी रात लौटते
और लकड़ियाँ गीली होने की शिकायत करते।
माँ से कहते–''कुछ लोग अभागे होते हैं,
उनकी चिता ठीक से नहीं जलती''
और हर अभागे की यही आख़िरी कहानी
मैं आज भी सुनाता हूँ।

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

जूठे बैर खा
भगवान राम ने
अपना कर्तव्य निभाया
सच यही जीवन का
सबको भाया
सुनो
कर्म नहीं है प्रवाद पर्व
मानव से मानव का
प्रेम ही
है कर्म का महापर्व।

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. हिन्दी खंडकाव्य के स्वरूप की प्रबंध तत्व के आधार पर विवेचना कीजिए।
11. 'परिवर्तन' कविता में जीवन की गतिशीलता और नश्वरता का चित्रण किस प्रकार हुआ है? स्पष्ट कीजिए।
12. 'दो चट्टानें' कविता की अनुभूतिपरक विशेषताएं लिखिए।
13. 'प्रवाद पर्व' की तात्विक समीक्षा कीजिए।
